

GUIDED POOJA SEVA



श्री शिव पूजा विधि

Shri Shiv Shodashopachara Pooja Vidhi

पूजा क्रम, यजमान निर्देश और संपूर्ण मंत्र-सूत्र

यह मार्गदर्शिका पूजा का हर चरण — संकल्प, मंत्र, अर्पण, अभिषेक, आरती और प्रसाद — पूर्ण विधि-विधान सहित सरल एवं व्यवस्थित क्रम में बताती है।

1. पूजा का उद्देश्य

भगवान शिव — महादेव, आदिदेव, त्रिलोकीनाथ — ब्रह्मांड के संहारक और पुनर्स्रष्टा हैं। वे करुणा के सागर, भक्तों के आशुतोष और मोक्ष के दाता हैं। शिव पूजा परिवार की सुख-शांति, कल्याण, पापों के नाश, आयु-आरोग्य और मोक्ष की प्राप्ति के लिए की जाती है। महाशिवरात्रि, सोमवार व्रत, प्रदोष व्रत और अन्य शुभ अवसरों पर शिव जी की षोडशोपचार पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है।

महत्वपूर्ण: क्षेत्र, परंपरा और परिवार की मान्यता के अनुसार क्रम में छोटे अंतर हो सकते हैं। यह PDF इस पूजा के लिए व्यावहारिक और व्यवस्थित क्रम देती है।

2. पूजा से पहले तैयारी

विषय	तैयारी
स्थान	घर में स्वच्छ स्थान, पूजा चौकी/आसन, पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख रखना उत्तम।
यजमान	स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। परिवार साथ बैठे।
प्रतिमा/शिवलिंग	भगवान शिव का चित्र, शिवलिंग या मूर्ति स्थापित करें। साथ में दीपक और कलश रखा जा सकता है।
वातावरण	मोबाइल, टीवी और अनावश्यक शोर कम रखें। पूजा के समय मन शांत रखें।
प्रसाद	फल, मिठाई, पंचामृत — घर में उपलब्ध साभत्विक नैवेद्य रखें।

3. पूजा सामग्री सूची

- पूजा चौकी और स्वच्छ वस्त्र/आसन
- शिवलिंग या भगवान शिव की मूर्ति/चित्र
- कलश, जल, आम/अशोक पत्ते
- नारियल, सुपारी, सिक्का
- रोली, हल्दी, कुमकुम, चंदन, भस्म
- अक्षत, पुष्प और माला (सफेद/लाल)
- बिल्व पत्र (बेल पत्ता) — शिव जी को अति प्रिय
- रुद्राक्ष माला (वैकल्पिक)
- धूप, दीप, कपूर, घी/तेल
- पंचामृत: दूध, दही, घी, शहद, शक्कर
- फल, मिठाई (केला, नारियल, सेब)
- पान, सुपारी, लौंग, इलायची
- जल पात्र, चम्मच, थाली, अभिषेक पात्र
- दक्षिणा और आरती थाली
- यज्ञोपवीत / जनेऊ
- धतूरा / आक पुष्प (परंपरागत)

4. शिव पूजा में क्या अर्पित करें?

सामग्री	पूजा में उपयोग
बिल्व पत्र	शिव जी को सर्वाधिक प्रिय। तीन पत्तियों वाला बेल पत्ता अर्पित करें। टूटा या कीड़ा लगा न हो।
पंचामृत	दूध, दही, घी, शहद, शक्कर — अभिषेक में अर्पित करें।
सफेद/लाल पुष्प	ध्यान, आवाहन और पुष्पांजलि में अर्पित करें।
चंदन/भस्म	गंध उपचार में अर्पित करें। भस्म विशेष रूप से शिव जी को प्रिय है।
नारियल	कलश स्थापना और समर्पण का प्रतीक।
धतूरा/आक पुष्प	परंपरागत रूप से शिव जी को प्रिय माने जाते हैं।

5. संक्षिप्त पूजा क्रम — एक नजर में

क्रम	विधि	यजमान क्या करें
1	स्थान शुद्धि, दीप प्रज्वलन	पूजा स्थान पर बैठें, मन शांत करें।
2	आचमन और शुद्धिकरण	जल से आचमन करें, मंत्र सुनें/दोहराएं।
3	संकल्प	नाम, गोत्र, स्थान, तिथि और उद्देश्य बोलें।
4	शिव ध्यान	हाथ जोड़कर भगवान शिव का ध्यान करें।
5	आवाहन	पुष्प अर्पित करें।
6	कलश स्थापना	श्रद्धा से सहभाग करें।
7	षोडशोपचार पूजा	जल, चंदन, बिल्व, धूप, दीप, नैवेद्य अर्पित करें।
8	अभिषेक	दूध/पंचामृत से शिवलिंग का अभिषेक करें।
9	मंत्र-जप और स्तुति	मंत्र सुनें या दोहराएं।
10	आरती और पुष्पांजलि	परिवार सहित आरती करें।
11	क्षमा प्रार्थना और प्रसाद	प्रणाम करें, प्रसाद ग्रहण करें।

6. विस्तृत पूजा विधि

दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण

पूजा शुरू करने से पहले दीपक जलाएं। धूप/अगरबत्ती लगाएं। भगवान शिव का स्मरण करें।

ॐ नमः शिवाय॥

Om Namah Shivaya

आचमन और शुद्धिकरण

तीन बार आचमन करें। हाथ में जल लेकर स्वयं और पूजा सामग्री पर छिड़कें।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

Om Apavitrah Pavitro Va Sarvavasthaam Gatopi Va I

Yah Smaret Pundarikaksham Sa Bahyabhyantarah Shuchih II

संकल्प

दाहिने हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर पूजा का संकल्प बोला जाता है।

संकल्प में बोलने योग्य जानकारी: यजमान का नाम, गोत्र, स्थान, तिथि और पूजा का उद्देश्य।

ॐ तत्सत् अद्यैतस्य ब्रह्मणोऽहिं ... अमुक-गोत्रोत्पन्नो अमुक-नाम-अहं

मम पापक्षयार्थम् अक्षयमोक्षभोगप्राप्त्यर्थं शिवपूजां करिष्ये।

Om Tatsat ... Amuka-Gotrotpanno Amuka-Nama-Aham

Mama Papakshayartham Akshaya-Moksha-Bhoga-Praptyartham Shiva-Pujam Karishye.

(‘अमुक’ के स्थान पर यजमान का नाम, गोत्र व स्थान बोलें।)

7. षोडशोपचार पूजा — 16 उपचार

भगवान शिव की पूजा में षोडशोपचार के माध्यम से भगवान का आदरपूर्वक स्वागत, सेवा और अर्पण किया जाता है।

क्रम	उपचार / क्रिया	मंत्र (संक्षिप्त)	यजमान क्या करें
1	ध्यानम् ध्यान करना	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। ध्यानात् ध्यानं समर्पयामि॥	हाथ जोड़कर शिव जी का ध्यान करें।
2	आवाहनम् पधारने का निवेदन	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। देवेशम् आवाहयामि॥	पुष्प लेकर शिव जी के चरणों में अर्पित करें।
3	आसनम् आसन अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। आसनं कल्पयामि॥	अक्षत या पुष्प अर्पित करें।
4	पाद्यम् चरण धोने को जल	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। पाद्यं समर्पयामि॥	थोड़ा जल अर्पित करें।
5	अर्घ्यम् सम्मान हेतु जल	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। अर्घ्यं समर्पयामि॥	जल पात्र से थोड़ी मात्रा अर्पित करें।
6	आचमनीयम् मुख शुद्धि हेतु जल	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। आचमनीयं समर्पयामि॥	कुछ बूंद जल अर्पित करें।
7	स्नानम् / अभिषेकः जल या पंचामृत से स्नान	गङ्गा च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति। नर्मदे सिन्धो कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥ ॐ साङ्गाय... स्नानं समर्पयामि॥	जल या पंचामृत अर्पित करें। शिवलिंग पर अभिषेक करें।
8	वस्त्रम् वस्त्र/मौली अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। वस्त्रं समर्पयामि॥	वस्त्र उपलब्ध न हो तो अक्षत अर्पित करें।
9	यज्ञोपवीतम् जनेऊ/सूत्र अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। यज्ञोपवीतं समर्पयामि॥	जनेऊ या मौली अर्पित करें।
10	गन्धः चंदन/भस्म अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। गन्धं समर्पयामि॥	चंदन, भस्म या कुमकुम अर्पित करें।
11	अक्षत + बिल्वपत्र पुष्प और बेल पत्र	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। पुष्पाणि बिल्वपत्राणि च समर्पयामि॥	अक्षत, पुष्प और बिल्व पत्र शिव जी को अर्पित करें।
12	धूपम् सुगंध का अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। धूपमाम्नापयामि॥	धूप भगवान के सम्मुख घुमाएं।

क्रम	उपचार / क्रिया	मंत्र (संक्षिप्त)	यजमान क्या करें
13	दीपम् प्रकाश का अर्पण	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। दीपं दर्शयामि॥	दीपक भगवान के समक्ष प्रदर्शित करें।
14	नैवेद्यम् फल, मिठाई और भोग	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। नैवेद्यं निवेदयामि॥	नैवेद्य अर्पित कर कुछ जल भी अर्पित करें।
15	ताम्बूल / दक्षिणा पान, सुपारी और दक्षिणा	ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः। ताम्बूलं दक्षिणां च समर्पयामि॥	पान-सुपारी और दक्षिणा अर्पित करें।
16	प्रदक्षिणा-नमस्कार प्रार्थना और पूर्ण समर्पण	यानि कानि च पापानि ब्रह्महत्यासमानि च। तानि तानि विनश्यन्ति प्रदक्षिणे पदे पदे॥ ॐ साङ्गाय... नमस्कारं समर्पयामि॥	तीन बार प्रदक्षिणा करें या स्थान पर नमस्कार करें।

सरल नियम: सामग्री उपलब्ध न हो तो पुष्प या अक्षत अर्पित करें। प्रत्येक उपचार के बाद श्रद्धा से **"ॐ नमः शिवाय"** का जप कर सकते हैं।

8. अभिषेक विधि

शिवलिंग पर अभिषेक पूजा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। निम्न क्रम में अभिषेक करें:

क्रम	अभिषेक सामग्री	फल / महत्व
1	शुद्ध जल / गंगाजल	शुद्धि और पवित्रता
2	दूध	आयु, यश और समृद्धि
3	दही	पुष्टि और संतान-सौभाग्य
4	घी	तेज और ऐश्वर्य
5	शहद	मधुरता और आनंद
6	शक्कर	सुख-समृद्धि
7	गन्ने का रस / नारियल जल	संतुष्टि और पूर्णता
8	अंत में शुद्ध जल	पंचामृत के बाद जल से अंतिम स्नान

गङ्गा च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।

नर्मदे सिन्धो कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥

Ganga Cha Yamune Chaiva Godavari Sarasvati।

Narmade Sindho Kaveri Jaleaasmin Sannidhim Kuru॥

अभिषेक के समय यह मंत्र पढ़कर जल में सभी पवित्र नदियों का आह्वान किया जाता है।

9. महाशिवरात्रि — चतुर्प्रहर अर्घ्य

महाशिवरात्रि पर रात के चारों प्रहरों में अलग-अलग अर्घ्य अर्पित किया जाता है।

प्रहर	मंत्र
प्रथम प्रहर	नमः शिवाय शान्ताय सर्वपापहराय च। शिवरात्रौ मया दत्तं गृहाणार्घ्यं प्रसीद मे॥ Namah Shivaya Shantaya Sarvapapaharaya Cha। Shivaratrau Maya Dattam Grihanarghyam Prasida Me॥

प्रहर	मंत्र
द्वितीय प्रहर	मया कृतान्यनेकानि पापानि हर शङ्कर। गृहाणार्घ्यं उमाकान्त शिवरात्रौ प्रसीद मे॥ Maya Kritanyanekani Papani Hara Shankara। Grihanarghyam Umakanta Shivaratrau Prasida Me॥
तृतीय प्रहर	दुःखदारिद्र्यभावैश्च दग्धोऽहं पार्वतीपते। मां वै त्राहि महादेव गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते॥ Duhkhadaridryabhavaishcha Dagdhoaham Parvatipate। Mam Vai Trahi Mahadeva Grihanarghyam Namostu Te॥
चतुर्थ प्रहर	किं न जानासि देवेश तावद्भक्तिं प्रयच्छ मे। स्वपादाग्रतले देव दास्यं देहि जगत्पते॥ Kim Na Janasi Devesha Tavadbhaktim Prayachchha Me। Svapadagratale Deva Dasyam Dehi Jagatpate॥

10. प्रमुख शिव मंत्र

शिव ध्यान मंत्र

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतंसं
रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्गं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम्।
पद्मासीनं समन्तात्स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं
विश्वाद्यं विश्वबीजं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम्॥

Dhyayennityam Mahesham Rajatagirinibham Charuchandravatamsam
Ratnakalpojivalangam Parashumrigavarabhithastam Prasannam।
Padmasinam Samantat Stutamamaraganairvyaghrakrittim Vasanam।
Vishvadyam Vishwabijam Nikhilabhayaharam Panchavaktram Trinetrām॥

शिव पञ्चाक्षर मंत्र (मूल मंत्र)

नमः शिवाय ॥

Namah Shivaya

यह शिव जी का पञ्चाक्षर बीज मंत्र है। पाँच अक्षर (न, म, शि, वा, य) पाँच तत्वों — पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश — के प्रतीक हैं।

महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushtivarddhanam।
Urvarukamiva Bandhanat Mrityormukshiya Mamritaāt॥

यह मंत्र दीर्घायु, आरोग्य, मृत्यु के भय से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए जपा जाता है।

शिव गायत्री मंत्र

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

Om Tatpurushaya Vidmahe Mahadevaya Dhimahi I
Tanno Rudrah Prachodayat II

मन्त्रपुष्पाञ्जलि

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवाः तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।
ते ह नाकम् महिमानः सचन्ते यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥
ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय वै नमो नमः।
भवे भवे नातिभवे भवस्य मां भवोद्भवाय नमः॥
ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः।
मन्त्रपुष्पाञ्जलिं समर्पयामि॥

Yajnena Yajnamayajanta Devah Tani Dharmani Prathamanyasan I
Te Ha Nakam Mahimanah Sachante Yatra Purve Sadhyah Santi Devah II
Om Sadyojatam Prapadyami Sadyojataya Vai Namoh Namah I
Bhave Bhave Natibhave Bhavasya Mam Bhavodbhavaya Namah II

रुद्राष्टक (प्रमुख श्लोक)

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम्।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम्॥

मनोबुद्ध्यहंकार चित्तानि नाहं न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे।
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः चिदानन्दरूपः शिवोऽहं शिवोऽहम्॥

Namami Ishamishana Nirvanarrupam Vibhum Vyapakam Brahmavedasvarupam I
Nijam Nirgunam Nirvikalpam Niriham Chidakashamakashavasam Bhajeaham II

11. आरती और समापन

शिव आरती

जय शिव ओंकारा, ॐ जय शिव ओंकारा।

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्धांगी धारा॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

एकानन चतुरानन पञ्चानन राजे।

हंसानन गरुडासन वृषवाहन साजे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

दो भुज चार चतुर्भुज दशभुज ते सोहे।

तीनों रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी।

त्रिपुरारि कंसारि कर माला धारी॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे।

सनकादिक गरुडादिक भूतादिक संगे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।

प्रणवाक्षर के मध्ये ये तीनों एका॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

त्रिगुण स्वामी की आरती जो कोई नर गावे।

कहत शिवानन्द स्वामी मनवाञ्छित फल पावे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

पुष्पांजलि

हाथ में पुष्प और अक्षत लेकर भगवान शिव से परिवार की शांति, आरोग्य और कल्याण की प्रार्थना करें।

नाना सुगन्धि पुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिं मया दत्तां गृहाण परमेश्वर॥

Nana Sugandhi Pushpani Yathakalodbbhavani Cha I

Pushpanjalim Maya Dattam Grihana Parameshvara II

प्रार्थना मंत्र

यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।

नूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्देतमच्युतम्।

ॐ साङ्गाय सायुधाय साम्बसदाशिवाय नमः।

प्रार्थनां समर्पयामि॥

Yasya Smritya Cha Namoktya Tapoyajnakriyadishu I

Nunam Sampurnatam Yatu Sadyo Vandetamachyutam I

क्षमा प्रार्थना

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

Mantrahinam Kriyahinam Bhaktihinam Sureshvara I

Yatpujitam Maya Deva Paripurnam Tadastu Me II

हे सुरेश्वर! मंत्र, क्रिया या भक्ति में जो भी त्रुटि हुई हो — आप उसे क्षमा कर पूजा को परिपूर्ण करें।

12. परिवार की भूमिकाएं

भूमिका	क्या करें
मंत्र-पाठ	स्वयं यजमान, परिवार का कोई सदस्य अथवा पुजारी — जो भी उपस्थित होकर मंत्रोच्चारण करें।
यजमान	संकल्प बोलना, अर्पण करना, अभिषेक में भाग लेना, आरती और प्रसाद ग्रहण।
परिवार/भक्त	श्रद्धा से बैठना, नाम-स्मरण करना, साथ में मंत्र बोलना और प्रसाद ग्रहण करना।

13. यजमान के लिए आसान निर्देश

- पूजा शुरू होने से 15-20 मिनट पहले सामग्री व्यवस्थित रखें।
- संकल्प के लिए नाम, गोत्र और उद्देश्य पहले से तय रखें।
- पूजा के समय भगवान के सामने श्रद्धा से बैठें।
- मंत्र-पाठ के समय बातचीत और फोन का उपयोग कम रखें।
- यदि कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो पुष्प या अक्षत से भावपूर्वक अर्पण करें।
- अभिषेक के समय शांत मन से **ॐ नमः शिवाय** का मानसिक जप करें।
- प्रसाद को भगवान का आशीर्वाद मानकर श्रद्धा से ग्रहण करें।

14. संकल्प फॉर्म

यजमान का नाम	
गोत्र	
परिवार के सदस्य	
स्थान	
पूजा तिथि	
पूजा का उद्देश्य	

समापन भाव

हे आशुतोष भगवान शिव! हमारे जीवन से कष्ट, रोग, भय और नकारात्मकता को दूर करें। हमें स्वास्थ्य, समृद्धि, विवेक और धर्ममार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करें। हमारे परिवार, समाज और समस्त प्राणियों का कल्याण हो।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

॥ मंगलं भगवान शिवः ॥

Prepared for Guided Pooja Seva. This guide provides the complete sequence and mantras for this pooja, to be followed together with full devotion. Recitation details may vary slightly by family tradition.